



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 115]
No. 115]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 19, 1984/फाल्गुन 29, 1905
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 19, 1984/PHALGUNA 29, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 1984

का० भा० 169 (अ).—“आल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन” नामक
संगठन (जिसे इसमें इसके पश्चात् परिसंघ कहा गया है) :—

- (i) जो ऐसे विभिन्न स्थानों में, जहाँ परिसंघ के उग्रवादी और अन्य
व्यक्ति, ऐसे भाषण दे रहे हैं जिनसे हिन्दुओं और सिखों के
बीच समरसता बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है
और जो सिखों को प्रायुधों से लैस करने के लिए और बल
प्रयोग करने के लिए उद्दीप्त करते हैं, प्रशिक्षण शिविरों,
सभाओं और सम्मेलनों का आयोजन कर रहा है;
- (ii) जिसके पदाधिकारियों और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने अपने कथनों
से और खालिस्तान के समर्थन में नारे लगाकर खालिस्तान के
पृथक राज्य की माँग को समर्थन दिया है;

और, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि पूर्वोक्त कारणों से, आल
इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन एक विधिविरुद्ध संगम है;

और, केन्द्रीय सरकार की यह और राय है कि परिसंघ के पदाधिकारियों
और सक्रिय कार्यकर्ताओं के भाषणों और अन्य क्रियाकलापों के कारण,

परिसंघ को तात्कालिक प्रभाव से विधिविरुद्ध घोषित करना प्राप्यक
है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण)
अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, “आल इंडिया सिख स्टूडेंट्स
फेडरेशन” को एक विधिविरुद्ध संगम घोषित करती है और, उस धारा
की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए,
यह निर्देश देती है कि यह अधिसूचना, किसी ऐसे प्रादेश के अधीन रहने
हुए, जो उक्त अधिनियम की धारा 4 के अधीन किया जाए, राजपत्र में
प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होगी।

[फा० सं० 4/1/84-टी]
एल० एन० गुप्ता, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March, 1984

S.O. 169(E).—Whereas the organisation known as the
“All India Sikh Students Federation” (hereinafter referred
to as the Federation)—

- (i) which has been organising training camps, meetings
and conventions in different places where the
activists of the Federation as well as others, have
been delivering speeches which are prejudicial to

the maintenance of harmony between the Hindus and the Sikhs and which tend to incite the Sikhs to equip themselves with arms and resort to force;

- (ii) whose office-bearers and activists have extended support to the demand for Khalistan, a separate State, in their utterances and by raising pro-khalistan slogans;

And whereas the Central Government is of the opinion that for the reasons aforesaid, the All India Sikh Students Federation is an unlawful association;

And whereas the Central Government is further of the opinion that because of the speeches and other activities of the office-bearers and activists of the Federation, it is neces-

sary to declare the Federation to be unlawful with immediate effect;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government hereby declares the "All India Sikh Students Federation" to be an unlawful association and directs, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (3) of that section, that this notification shall, subject to any order that may be made under section 4 of the said Act, have effect from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 4/1/84-T]

L. N. GPUTA, Jt. Secy.